

वशिव बरेल दविस 2025

[स्रोत: द हट्टि](#)

4 जनवरी को मनाया जाने वाला [वशिव बरेल दविस](#), [लुई बरेल](#) के जन्मदनि के उपलक्ष्य में मनाया जाता है। बरेल लपिएक [स्पर्शनीय कोड](#) है जो [नेत्रहीन](#) और [दृष्टबाधति](#) व्यक्तियों को [लखिति जानकारी तक पहुँचने में सक्षम](#) बनाता है।

- **लुई बरेल:** लुई बरेल (1809-1852) का जन्म फ्राँस में हुआ था और तीन वर्ष की आयु में ही उनकी दृष्टि चली गयी थी।
 - दस वर्ष की आयु में उन्हें पेरिस में रॉयल इंस्टीट्यूट फॉर ब्लाइंड यूथ में छात्रवृत्तमिली, जहाँ उन्होंने एक सेना के कप्तान की "नाइट राइटिंग" प्रणाली से प्रेरति होकर **बरेल प्रणाली** विकसति की।
 - वर्ष 1815 में **चार्लस बारबियर डे ला सेरे** द्वारा नरिमति "नाइट राइटिंग" प्रणाली में **12 उभरे हुए बट्टिओं** का प्रयोग कया गया था और इसे सैनिकों के लयि अंधेरे में गुप्त संवाद करने हेतु डजिइन कया गया था।
- **बरेल प्रणाली:** इसमें **3x2 मैट्रक्स** में 6 उभरे हुए बट्टिओं का उपयोग कर वर्ण बनाए जाते हैं, जनिहें उनकी व्यवस्था द्वारा पहचाना जा सकता है।
- **बरेल लपि** को **वभिन्न उपकरणों से लखि जा सकता है, जनिमें स्लेट, बरेल राइटर और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण शामिल हैं।**
- ध्वनि और [कृत्रमि बुद्धमितता \(AI\)](#) प्रौद्योगिकी के विकास के बावजूद, बरेल लपि अभी भी स्वतंत्रता के लयि आवश्यक है, वशिष रूप से उन लोगों के लयि जो जन्म से नेत्रहीन हैं।

//



और पढ़ें: [वशिव बरेल दविस](#)